चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	28.3.25	3	2-4

समारोह • एचएयू में आयोजित राष्ट्रीय एकता शिविर के समापन पर समारोह

नशीले पदार्थों के सेवन से दूर रहकर शिक्षा पर ध्यान करें युवा : बिश्नोई

भास्कर न्यूज | हिसार

युवाओं को नशे की लत से दूर रहकर शिक्षा, खेलकूद और अन्य गतिविधियों पर ध्यान लगाना चाहिए। इससे विद्यार्थियों का शारीरिक व मानसिक विकास होगा और वे अपने निर्धारित लक्ष्य पा सकेंगे। किसी भी व्यक्ति, समाज व देश के विकास में नशे का सेवन बहुत बड़ा अवरोध है। इस समस्या को जड़ से समाप्त करना बहुत जरूरी है। यह बात मेघालय के पूर्व डीजीपी एलआर बिश्नोई ने कही। वे एचएयू के छात्र कल्याण निदेशालय द्वारा आयोजित राष्ट्रीय एकता शिविर के समापन पर बतौर मुख्य अतिथि स्वयंसेवकों को सम्बोधित कर रहे थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो बी. आर. काम्बोज ने की। विशिष्ट अतिथि राष्ट्रीय सेवा योजना नई दिल्ली के क्षेत्रीय निदेशक श्रवण राम रहे। एलआर बिश्नोई ने कहा कि मोबाइल फोन व इंटरनेट से साइबर अपराध तेजी से बढ़ रहे हैं। फोन और इंटरनेट पर अधिक समय ना बिताएं बल्कि अपने कैरियर पर ध्यान दें। नशा कोरोना महामारी से भी खतरनाक है। युवाओं को मादक पदार्थों के सेवन, गलत संगत से बचना होगा।

स्वयंसेवकों ने चित्र प्रदर्शनी के माध्यम से वर्तमान समस्याओं को दर्शाया

एचएयू के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने कहा कि हमारी संस्कृति, जीवन मूल्यों, विविधता और संस्कारों का प्रचार-प्रसार जन-जन तक पहुंचना चाहिए। समाज से समस्याओं और कुरीतियों को समाप्त करने के लिए हमें एकजुट होकर कार्य करना होगा। इस दिशा में हमारे स्वयंसेवक लोगों को जागरूक करने में अहम भूमिका निभा रहे हैं। छात्र कल्याण निदेशक डॉ. मदन खीचड़, कृषि कॉलेज के अधिष्ठाता डॉ. एस.के. पाहुजा व एनएसएस नई दिल्ली के क्षेत्रिय निदेशक श्रवण राम ने जानकारी दी। राष्ट्रीय सेवा योजना अवार्डी डॉ. भगत सिंह ने सभी का धन्यवाद किया। छात्रा अन्नू ने मंच का संचालन किया। 13 राज्यों से आए 200 स्वयंसेवकों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम में पारंपरिक वेशभूषा और संस्कृति का प्रदर्शन कर दर्शकों का मन मोह लिया। कृषि कॉलेज परिसर में स्वयंसेवकों ने पोस्टर मेकिंग प्रदर्शनी में वर्तमान समस्याओं का सटीक चित्रण किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	28.3.25	3	1-4

नशीले पदार्थों के सेवन से दूर रहकर शिक्षा पर करें ध्यान युवा : एल.आर. बिश्नोई

हिसार, 27 मार्च (ब्यूरो): युवाओं को नशे की लत से दूर रहकर शिक्षा, खेलकूद और अन्य गतिविधियों पर ध्यान लगाना चाहिए। इससे विद्यार्थियों का शारिरिक व मानसिक विकास होगा और वे अपने निर्धारित लक्ष्य की प्राप्ति कर सकेंगे। किसी भी व्यक्ति, समाज व देश के विकास में नशे का सेवन बहुत बड़ा अवरोध है। इस समस्या को जड़ से समाप्त करना बहुत जरूरी है। यह बात मेघालय के पूर्व डी.जी.पी. एल.आर. बिश्नोई ने कही। वे चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण निदेशालय द्वारा आयोजित राष्ट्रीय एकता शिविर के समापन अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि स्वयंसेवकों को सम्बोधित कर रहे थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो बी.आर. काम्बोज ने की जबकि विशिष्ट अतिथि राष्ट्रीय सेवा योजना नई दिल्ली के क्षेत्रीय निदेशक श्रवण राम रहे।

एल.आर. बिश्नोई ने कहा कि मोबाइल फोन व इंटरनेट से साइबर अपराध तेजी से बढ़ रहें हैं। इसलिए मोबाइल फोन और इंटरनेट पर अधिक समय ना बिताएं बल्कि अपने कैरियर पर ध्यान दें। नशा कोरोना महामारी से भी खतरनाक है। यह पंजाब और हरियाणा में बिजली की गति से फैल रहा है। युवाओं को मादक पदार्थों के सेवन, गलत संगत और नकारात्मक विचारों से बचना होगा। ज्ञान की खोज सबसे बड़ी शक्ति है। रवींद्रनाथ टैगोर का उदाहरण देते हुए उन्होंने बताया कि ज्ञान हवा में फैला हुआ है उसे प्राप्त करने के लिए जिज्ञासा और उत्सुकता जरूरी है, तभी आपको कुछ नया सिखने को मिलेगा। बड़ों के अनुभव से सीखने के लिए प्रेरित करते हुए उन्होंने कहा कि समाज एवं राष्ट्र की प्रगति में युवाओं का अहम योगदान होता है। उन्होनें कहा कि स्वयंसेवकों का राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा देने में विशेष योगदान रहा है।

मुख्य अतिथि स्वयंसेवकों को सम्मानित करते हुए।

संस्कृति, जीवन मूल्यों एवं राष्ट्रीय एकता के प्रचार में स्वयंसेवकों की विशेष भूमिका: प्रो. काम्बोज

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो बी आर काम्बोज ने अपने सम्बोधन में कहा कि हमारी संस्कृति, जीवन मूल्यों, विविधता और संस्कारों का प्रचार-प्रसार जन-जन तक पहुंचना चाहिए। समाज से समस्याओं और कुरीतियों को समाप्त करने के लिए हमें एकजुट होकर कार्य करना होगा। इस दिशा में हमारे स्वयंसेवक लोगों को जागरूक करने में अहम भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय एकता शिविर के दौरान स्वयंसेवकों ने लोगों को स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण, नशीले पदार्थों का सेवन न करने के साथ-साथ राष्ट्रीय सेवा योजना के उद्देश्यों के बारे में जागरूक करने में अहम भूमिका निभाई। छात्र कल्याण निदेशक डॉ. मदन खीचड़ ने सभी का स्वागत करते हुए एन.एस.एस. शिविर के दौरान की गई विभिन्न गतिविधियों पर विस्तार से प्रकाश डाला। छात्रा अन्नू ने मंच का संचालन किया।

स्वयंसेवकों ने चित्र प्रदर्शनी के माध्यम से वर्तमान समस्याओं को दर्शाया

देश के विभिन्न 13 राज्यों से आए 200 स्वयंसेवकों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम में अपनी पारंपरिक वेशभूषा और संस्कृति का प्रदर्शन किया। कृषि महाविद्यालय परिसर में स्वयंसेवकों ने पोस्टर मेकिंग प्रदर्शनी में अपनी कलाकृतियों के माध्यम से वर्तमान समस्याओं का बड़े सहज अंदाजा में सटीक चित्रण किया। इनमें युवाओं को मादक पदार्थों के सेवन से दूर रहने, पर्यावरण संरक्षण, रक्तदान के लिए प्रेरित करने, विकसित भारत में युवाओं की भूमिका जैसे विभिन्न विषयों पर विस्तार से प्रकाश डाला।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि भूमि	28.3.25	11	5 8

नशे की लत से दूर रहकर शिक्षा पर ध्यान लगाएं युवा

हकृवि में राष्ट्रीय एकता शिविर समारोह का समापन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

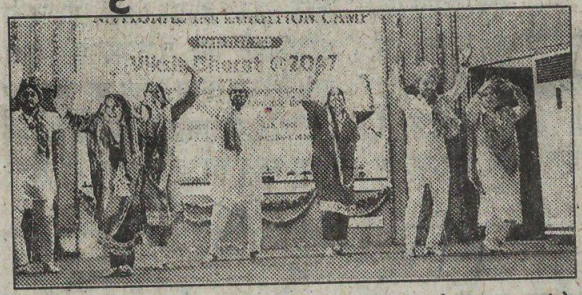

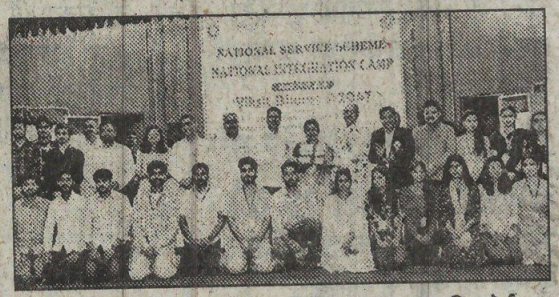

हिसार। सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करते स्वयंसेवक व स्वयंसेवकों को सम्मानित करते मुख्य अतिथि डॉ. एलआर बिश्नोई।

मेघालय के सेवानिवृत डीजीपी डॉ. एलआर बिश्नोई ने कहा है कि युवाओं को नशे की लत से दूर रहकर शिक्षा, खेलकूद और अन्य गतिविधियों पर ध्यान लगाना चाहिए। इससे विद्यार्थियों का शारिरिक व मानसिक विकास होगा और वे अपने निर्धारित लक्ष्य की प्राप्ति कर सकेंगे। किसी भी व्यक्ति, समाज व देश के विकास में नशे का सेवन बहुत बड़ा अवरोधक है। इस समस्या को जड़ से समाप्त करना बहुत जरूरी है। डॉ. एलआर बिश्नोई हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण निदेशालय द्वारा आयोजित राष्ट्रीय एकता शिविर के समापन अवसर पर मुख्य अतिथि के तौर पर स्वयंसेवकों को सम्बोधित कर रहे थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने की जबकि विशिष्ट अतिथि राष्ट्रीय सेवा योजना नई दिल्ली के क्षेत्रीय निदेशक श्रवण राम रहे। डॉ. एलआर बिश्नोई ने कहा कि मोबाइल फोन व इंटरनेट से साइबर अपराध तेजी से बढ़ रहें हैं। इसलिए मोबाइल फोन और इंटरनेट पर अधिक समय ना बिताएं बल्कि अपने कैरियर पर ध्यान दें। काम्बोज विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो बीआर काम्बोज ने कहा कि हमारी संस्कृति, जीवन मूल्यों, विविधता और संस्कारों का प्रचार-प्रसार जन-जन तक पहुंचना चाहिए। समाज से समस्याओं और कुरीतियों को समाप्त करने के लिए हमें एकजुट होकर कार्य करना होगा। छात्र कल्याण निदेशक डॉ. मदन खीचड़ ने सभी का स्वागत करते हुए एनएसएस शिविर के दौरान की गई विभिन्न गतिविधियों पर विस्तार से प्रकाश डाला।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठकपक्ष	27.03.25	--	--

हकृवि में माता अहिल्याबाई होल्कर की 300वीं जयंती पर कार्यक्रम आयोजित

-पाठकपक्ष न्यूज-

हिसार, 27 मार्च : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय में लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर की 300वीं जयंती के अवसर पर एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। छात्र कल्याण निदेशक डॉ. मदन खीचड़ मुख्य अतिथि जबकि कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एसके पाहुजा ने कार्यक्रम में अध्यक्षता की। समाजसेवी कृष्ण मुख्य वक्ता के तौर पर उपस्थित रहे।

डॉ. मदन खीचड़ ने बताया कि माता अहिल्याबाई होल्कर को उनके सुशासन, धर्म के पुनर्जागरण, महिला सशक्तिकरण व अपनी प्रजा को संतान की तरह पालन के लिए जाना जाता है। रोजगार के लिए विश्व प्रसिद्ध महेश्वरी साड़ी का व्यापार करना, किसानों के लिए उत्तम खेती का प्रयास, महिलाओं की सेना तैयार करना, अपनी पुत्री का विवाह भी एक वीर भील के साथ करना, अपने पति को जुर्माना लगाना, सती प्रथा, शिक्षा व स्वरोजगार आदि अनेक कार्य करने का श्रेय जाता है।

समाजसेवी एवं मुख्य वक्ता कृष्ण ने बताया कि अहिल्याबाई होल्कर की 300वीं जयंती पर पूरे देश में

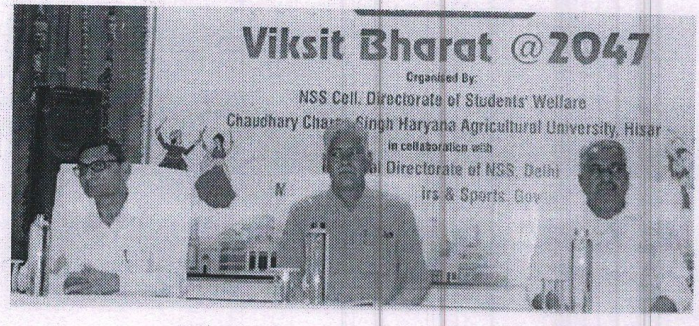

कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि माता जी का जीवन प्रेरणा देने वाला है और समाज में उनके कार्य की चर्चा व साहित्य आदि पढ़ना चाहिए। उन्होंने अपने राज्य की सीमाओं से बाहर भी प्रसिद्ध तीर्थ स्थलों पर मन्दिरों और अन्य संरचनाओं का निर्माण करवाया था। उनकी राष्ट्रीय दृष्टि और सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण के प्रयासों ने उन्हें इतिहास में विशेष स्थान दिलाया है।

कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एसके पाहुजा ने छात्र-छात्राओं को अहिल्याबाई होल्कर के जीवन और उनके योगदान के बारे में जानकारी दी। डॉ. सुनील ने मंच का संचालन करते हुए कार्यक्रम में उपस्थित विद्यार्थियों, कार्यकर्ताओं एवं अन्य नागरिकों का धन्यवाद किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठकपक्ष	27.03.25	--	--

नशीले पदार्थों के सेवन से दूर रहकर शिक्षा पर अपना ध्यान करें युवा : एलआर बिश्नोई

हकृवि में राष्ट्रीय एकता शिविर का समापन समारोह आयोजित

हिसार (समस्त हरियाणा न्यूज)। युवाओं को नशे की लत से दूर रहकर शिक्षा, खेलकूद और अन्य गतिविधियों पर ध्यान लगाना चाहिए। इससे विद्यार्थियों का शारिरिक व मानसिक विकास होगा और वे अपने निर्धारित लक्ष्य की प्राप्ति कर सकेंगे। किसी भी व्यक्ति, समाज व देश के विकास में नशे का सेवन बहुत बड़ा अवरोध है। इस समस्या को जड़ से समाप्त करना बहुत जरूरी है। यह बात मेघालय के पूर्व डीजीपी एलआर बिश्नोई ने कही। वे चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण निदेशालय द्वारा आयोजित राष्ट्रीय एकता शिविर के समापन अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि स्वयंसेवकों को सम्बोधित कर रहे थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो बी.आर. काम्बोज ने की जबकि विशिष्ट अतिथि राष्ट्रीय सेवा योजना नई दिल्ली के क्षेत्रीय निदेशक श्रवण राम रहे। एलआर बिश्नोई ने कहा कि मोबाइल फोन व इंटरनेट से साइबर अपराध तेजी से बढ़ रहें हैं। इसलिए मोबाइल फोन और इंटरनेट पर अधिक समय ना बिताएं बल्कि अपने कैरियर पर ध्यान दें। नशा कोरोना महामारी से भी खतरनाक है। यह पंजाब और हरियाणा में बिजली की गति से फैल रहा है। युवाओं को मादक पदार्थों के सेवन, गलत संगत और नकारात्मक विचारों से बचना होगा। ज्ञान की खोज सबसे बड़ी शक्ति है। रवींद्रनाथ टैगोर का उदाहरण देते हुए उन्होंने बताया कि ज्ञान हवा में फैला हुआ है उसे प्राप्त करने के लिए जिज्ञासा और उत्सुकता जरूरी है, तभी आपको कुछ नया सिखने को मिलेगा। बड़ों के अनुभव से सीखने के लिए प्रेरित करते हुए उन्होंने कहा कि समाज एवं राष्ट्र की प्रगति में युवाओं का अहम योगदान होता है। एल. आर. बिश्नोई ने कहा कि हमारी संस्कृति बहुत ही विविधता पूर्ण है लेकिन यह संस्कृति हम सभी के लिए है। प्रत्येक राज्य की अपनी परमपराएं, रीति

रिवाज, खानपान, पहनावा और त्यौहार अलग-अलग हैं। सबसे पहले संस्कृति का सम्मान करना, उसे संरक्षित रखना और उसका प्रचार प्रसार करना हमारा मौलिक कर्तव्य है। उन्होंने देश के असम, कर्नाटक, महाराष्ट्र और मेघालय सहित अन्य राज्यों की सांस्कृतिक विरासत के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होनें कहा कि स्वयंसेवकों का राष्ट्रीय एकता को बढावा देने में विशेष योगदान रहा है।

संस्कृति, जीवन मूल्यों एवं राष्ट्रीय एकता के प्रचार में स्वयंसेवकों की विशेष भूमिका : प्रो. काम्बोज

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो बी आर काम्बोज ने अपने सम्बोधन में कहा कि हमारी संस्कृति,जीवन मूल्यों, विविधता और संस्कारों का प्रचार-प्रसार जन-जन तक पहुंचना चाहिए। समाज से समस्याओं और कुरीतियों को समाप्त करने के लिए हमें एकजुट होकर कार्य करना होगा। इस दिशा में हमारे स्वयंसेवक लोगों को जागरूक करने में अहम भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय एकता शिविर के दौरान स्वयंसेवकों ने लोगों को स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण, नशीले पदार्थों का सेवन न करने के साथ-साथ राष्ट्रीय सेवा योजना के उद्देश्यों के बारे में जागरूक करने में अहम भूमिका निभाई। छात्र कल्याण निदेशक डॉ. मदन खीचड़ ने सभी का स्वागत करते हुए एनएसएस शिविर के दौरान की गई विभिन्न गतिविधियों पर विस्तार से प्रकाश डाला। कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ एस.के. पाहुजा व एनएसएस नई दिल्ली के क्षेत्रिय निदेशक श्रवण राम ने भी शिविर के बारे में विस्तार से जानकारी दी। राष्ट्रीय सेवा योजना अवार्डी डॉ. भगत सिंह ने सभी का धन्यवाद किया। छात्रा अन्नू ने मंच का संचालन किया।

स्वयंसेवकों ने चित्र प्रदर्शनी के माध्यम से वर्तमान समस्याओं को दर्शाया

देश के विभिन्न 13 राज्यों से आए 200 स्वयंसेवकों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम में अपनी पारंपरिक वेशभूषा और संस्कृति का प्रदर्शन करके दर्शकों का मन मोह लिया। कृषि महाविद्यालय परिसर में स्वयंसेवकों ने पोस्टर मेंकिंग प्रदर्शनी में अपनी कलाकृतियों के माध्यम से वर्तमान समस्याओं का बड़े सहज अंदाजा में सटीक चित्रण किया। इनमें युवाओं को मादक पदार्थों के सेवन से दूर रहने, पर्यावरण संरक्षण, रक्तदान के लिए प्रेरित करने जैसे विभिन्न विषयों पर विस्तार से प्रकाश डाला। इस अवसर पर कुलसचिव सहित विभिन्न महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, अधिकारी, शिक्षकगण, कर्मचारी और विद्यार्थी उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठकपक्ष	27.03.25	--	--

रक्त की पूर्ति केवल रक्तदान से ही संभवः प्रो. बी. आर. काम्बोज

हकृवि के कृषि महाविद्यालय में रक्तदान शिविर आयोजित

-पाठकपक्ष न्यूज-

हिसार, 27 मार्च : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। छात्र कल्याण निदेशालय द्वारा आयोजित इस रक्तदान शिविर का शुभारंभ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने किया। कुलपति प्रो बीआर काम्बोज ने रक्तदाताओं से बातचीत करते हुए कहा कि रक्त की एक-एक बूंद मानव जीवन के लिए अनमोल है। रक्त का कोई विकल्प नहीं है। रक्तदान करके ही इसकी पूर्ति की जा सकती है। रक्तदान को महादान माना गया है। गंभीर बीमारियों से पीड़ित रोगियों, सड़क दुर्घटनाओं में घायल व्यक्तियों,

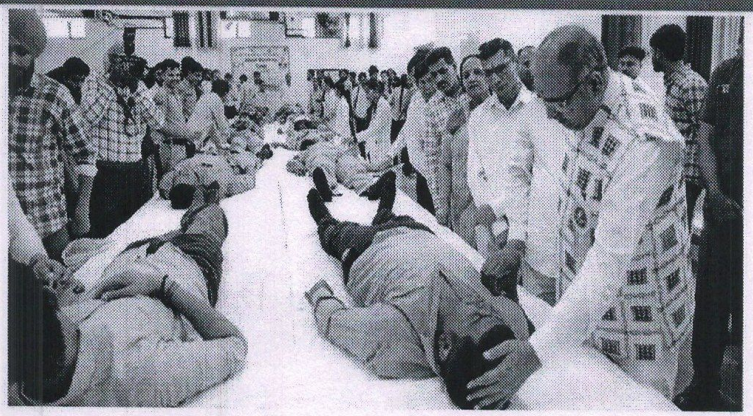

गर्भवती महिलाओं तथा थैलेसीमिया से पीड़ित बच्चों को प्रतिदिन रक्त की आवश्यकता होती है। रक्तदान करके किसी जरूरतमंद व्यक्ति के जीवन को बचाया जा सकता है। उन्होंने रक्तदाताओं से कहा कि वे लोगों को रक्तदान करने के लिए प्रेरित करें। एक स्वस्थ व्यक्ति 18 से 65 वर्ष की आयु तक प्रत्येक तीन महीने में एक बार रक्तदान कर सकता है। रक्तदान करने से व्यक्ति के शरीर पर इसका कोई दुष्प्रभाव नहीं पड़ता। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा समय-समय पर रक्तदान शिविर आयोजित किए जाते हैं ताकि जरूरतमंद व्यक्तियों को रक्त की पूर्ति की जा सके। रेड क्रॉस सोसायटी और एनजीओ इस क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य कर रहे हैं। छात्र कल्याण निदेशक डॉ. मदन खीचड़ ने सभी का स्वागत करते हुए बताया शिविर में कुल 117 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया। शिविर को सफल बनाने में राष्ट्रीय सेवा योजना अवार्डी डॉ. भगत सिंह, यूथ रेडक्रॉस के प्रोग्राम कोऑर्डिनेटर डॉ. चंद्रशेखर डागर, यूथ रेडक्रॉस सैल, एनसीसी, एनएसएस सहित अन्य वॉलंटियर्स ने अहम भूमिका निभाई। शिविर में स्वास्थ्य विभाग की तरफ से डॉ. योगेश, तकनीकी अधिकारी अनिल कुमार व सत्यवान, एसआईटी सुदामा, काउंसलर संतरो देवी, शीला व मुकेश उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स न्यूज	27.03.25	--	--

नशे से दूर रहकर शिक्षा पर ध्यान दें युवा : बिश्नोई

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। युवाओं को नशे की लत से दूर रहकर शिक्षा, खेलकूद और अन्य गतिविधियों पर ध्यान लगाना चाहिए। इससे विद्यार्थियों का शारिरिक व मानसिक विकास होगा और वे अपने निर्धारित लक्ष्य की प्राप्ति कर सकेंगे। किसी भी व्यक्ति, समाज व देश के विकास में नशे का सेवन बहुत बड़ा अवरोध है। इस समस्या को जड़ से समाप्त करना बहुत जरूरी है। यह बात मेघालय के पूर्व डीजीपी एलआर बिश्नोई ने कही। वे चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय राष्ट्रीय एकता शिविर के समापन अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि स्वयंसेवकों को सम्बोधित कर रहे थे।

बिश्नोई ने कहा कि मोबाइल फोन व इंटरनेट से साइबर अपराध तेजी से बढ़ रहें हैं। इसलिए मोबाइल फोन और इंटरनेट पर अधिक समय ना बिताएं बल्कि अपने कैरियर पर ध्यान दें। नशा कोरोना महामारी से भी खतरनाक है। यह पंजाब और हरियाणा में बिजली की गति से फैल रहा है। युवाओं को मादक पदार्थों के सेवन, गलत संगत और नकारात्मक विचारों से बचना होगा। ज्ञान की खोज सबसे बड़ी शक्ति है। रवींद्रनाथ टैगोर का उदाहरण देते हुए उन्होंने बताया कि ज्ञान हवा में फैला हुआ है उसे प्राप्त करने के लिए जिज्ञासा और उत्सुकता जरूरी है, तभी आपको कुछ नया सिखने को मिलेगा।

कुलपति प्रो बी आर काम्बोज ने कहा कि हमारी संस्कृति,जीवन मूल्यों, विविधता और संस्कारों का प्रचार-प्रसार जन-जन तक पहुंचना चाहिए। समाज से समस्याओं और कुरीतियों को समाप्त करने के लिए हमें एकजुट होकर कार्य करना होगा। इस दिशा में हमारे स्वयंसेवक लोगों को जागरूक करने में अहम भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय एकता शिविर के दौरान स्वयंसेवकों ने लोगों को स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण, नशीले पदार्थों का सेवन न करने के साथ-साथ राष्ट्रीय सेवा योजना के उद्देश्यों के बारे में जागरूक करने में अहम भूमिका निभाई। देश के विभिन्न 13 राज्यों से आए 200 स्वयंसेवकों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम में अपनी पारंपरिक वेशभूषा और संस्कृति का प्रदर्शन करके दर्शकों का मन मोह लिया।